कक्षा–12वीं
विषय– अर्थशास्त्र
विषय कोड– (303)

सैद्धांतिक–80
प्रायोजना–20 **पूर्णांक–100(80+ 20)**

क्र.	इंकाई	विषय वस्तु	कालखण्ड	आबंटित अंक
1	भाग–'अ'	**व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय**		
	1	परिचय	08	04
	2	उपभोक्ता संतुलन एवं मांग	32	13
	3	उत्पादक व्यवहार तथा आपूर्ति	32	13
	4	बाजार के स्वरूप तथा साधारण अनुप्रयोग सहित पूर्ण प्रतिस्पर्धा के तहत मूल्य निर्धारण	28	10
			100	**40**
2	भाग–'ब'	**समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय**		
	5	राष्ट्रीय आय तथा सकल संबंधी	28	10
	6	मुद्रा तथा बैंकिंग	15	06
	7	आय निर्धारण तथा रोजगार	27	12
	8	सरकारी बजट तथा अर्थव्यस्था	15	06
	9	अदायगी संतुलन	15	06
			100	**40**
03	भाग–'स'	**प्रोजेक्ट कार्य**	**40**	**20**
		योग	**240**	**100**

पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा–12वीं
विषय – अर्थशास्त्र (303)

समय–03 घंटा सैद्धांतिक अंक–80

भाग : 1 – व्यष्टि अर्थशास्त्र (Microeconomics) एक परिचय

इकाई : एक – परिचय तथा समष्टि अर्थशास्त्र **08 कालखण्ड**

व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र का अर्थ, सकारात्मक तथा आदर्शक अर्थशास्त्र, अर्थव्यवस्था क्या है ? अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएं : वस्तुओं का उत्पादन क्यों, कैसे तथा किसके लिए, सीमांत उत्पादन संभावना की अवधारणा तथा अवसर लागत

इकाई : दो – उपभोक्ता संतुलन (Equilibrium) एवं मांग **32 कालखण्ड**

उपभोक्ता संतुलन – उपयोगिता का अर्थ, सीमांत उपयोगिता, सीमांत उपयोगिता के अवमूल्यन का नियम, सीमांत उपयोगिता विश्लेषण के उपयोग से उपभोक्ता संतुलन की स्थिति।

उपभोक्ता संतुलन के अनधिमान वक्र का विश्लेषण–उपभोक्ता बजट (बजट सेट तथा बजट रेखा) , उपभोक्ता के अधिमान (अनधिमान वक्र, अनधिमान मानचित्र) तथा उपभोक्ता संतुलन की स्थिति

मांग – बाजार मांग, मांग के निर्धारक, मांग अनुसूची, मांग वक्र तथा इसकी प्रवणता, मांग वक्र में परिवर्तन तथा मांग वक्र की दिशा में गति, मांग की लोच – किसी वस्तु के लिए मांग की कीमत लोंच को निर्धारित करने वाले कारक, मूल्य की माप, प्रतिशत परिवर्तन विधि।

इकाई : तीन – उत्पादक व्यवहार तथा आपूर्ति **32 कालखण्ड**

उत्पादन फलन का अर्थ – अल्पकाल तथा दीर्घकाल

कुल उत्पाद, औसत उत्पाद तथा सीमांत उत्पाद।

कारक को अदायगी

लागत – अल्पकालीन लागत–कुल लागत, कुल स्थिर लागत, कुल परिवर्ती लागत, औसत लागत औसत स्थिर लागत, औसत परिवर्ती लागत, तथा सीमांत लागत – अर्थ तथा उनके संबंध।

संप्राप्ति (Revenue) – कुल, औसत तथा सीमांत संप्राप्ति – अर्थ एवं उनके संबंध

उत्पादक संतुलन – अर्थ तथा सीमांत संप्राप्ति की स्थिति में इसकी शर्ते – सीमांत लागत

पूर्ति – बाजार पूर्ति, पूर्ति के निर्धारक, पूर्ति, की अनुसूची, पूर्ति वक्र, तथा इसकी प्रवणता (ढाल), गति के साथ–साथ पूर्ति वक्र में परिवर्तन, पूर्ति की कीमत लोच, पूर्ति की कीमत लोच की माप, प्रतिशत परिवर्तन विधि।

इकाई : चार – बाजार के स्वरूप (प्रकार) तथा साधारण अनुप्रयोग सहित पूर्ण प्रतिस्पर्धा के तहत मूल्य निर्धारण **28 कालखण्ड**

पूर्ण प्रतिस्पर्धा – लक्षण, बाजार संतुलन का निर्धारण, शिफ्ट का मांग तथा पूर्ति में प्रभाव

अन्य बाजार स्वरूप – एकाधिकार, एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा, अल्पाधिकार – इनके अर्थ तथा लक्षण

मांग तथा पूर्ति के साधारण अनुप्रयोग : उच्चतम निर्धारित कीमत तथा निम्नतम निर्धारित कीमत

भाग : 2 – समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय **28 कालखण्ड**

इकाई : पांच – राष्ट्रीय आय तथा सकल संबंधी

कुछ आधारभूत संकल्पनाएं – उपभोग वस्तुएं, पूंजीगत वस्तुएं, अंतिम वस्तुएं, मध्यवर्ती वस्तुएं : स्टॉक तथा प्रवाह : सकल निवेश तथा मूल्यहास

आय का वर्तुल प्रवाह (Two Sector Model) , राष्ट्रीय आय की गणना विधि, – मूल्य विधि अथवा उत्पाद विधि, आय विधि, व्यय विधि

राष्ट्रीय आय संबंधी सकल

सकल राष्ट्रीय आय (GNP) , निवल राष्ट्रीय आय (NNP) सकल तथा निवल घरेलू उत्पाद (GDP तथा NDP) – बाजार मूल्य पर, कारक मूल्य पर, (लागत) वास्तविक तथा अवास्तविक GDP

GDP तथा कल्याण

इकाई : छः – मुद्रा तथा बैंकिंग **15 कालखण्ड**

मुद्रा – अर्थ तथा मुद्रा की पूर्ति, – लोगों द्वारा रखी गई करेंसी तथा कमर्शियल (व्यवसायिक) बैंक द्वारा रखी गई निवल मांग जमा, कमर्शियल बैंकिंग पद्धित द्वारा मुद्रा सृजन

सेंट्रल बैंक तथा उसके कार्य (रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का उदाहरण) बैंक की नीति – शासकीय बैंक, बैंकर्स बैंक, बैंक दर नीति द्वारा क्रेडिट (ऋण) का नियंत्रण, CRR, SLR, रेपो रेट, रिजर्व रेपोरेट, खुली बाजार कारवाई, margine requirement (लाभ आवश्यकता)

इकाई : सात – आय निर्धारण तथा रोजगार **27 कालखण्ड**

समस्त मांग तथा इसके घटक, बचत प्रत्याशित तथा उपभोग प्रत्याशित (औसत तथा सीमांत) अल्पकालिक संतुलन निर्गत : निवेश गुणक तथा इसकी प्रक्रिया

पूर्ण रोजगार का अर्थ तथा अनैच्छिक बेरोजगार

अधिमांग व ह्रास मांग की समस्याएं, उन्हें सही करने के माप – सरकारी व्यय, करों तथा मुद्रा पूर्ति में परिवर्तन

इकाई : आठ – सरकारी बजट तथा अर्थव्यवस्था **15 कालखण्ड**

सरकारी बजट – अर्थ, उद्देश्य तथा घटक

प्राप्तियां वर्गीकरण – राजस्व प्राप्तियां, तथा पूंजीगत प्राप्तियां, व्यय का वर्गीकरण – राजस्व व्यय तथा पूंजीगत व्यय

सरकारी घाटे की माप – राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा, प्राथमिक घाटा, इनके अर्थ।

इकाई : नौ – अदायगी संतुलन **15 कालखण्ड**

चालू खाता संतुलन – अर्थ तथा घटक :अदायगी घाटा–संतुलन – अर्थ

विदेशी विनिमय दर –स्थिर तथा नम्य दर का अर्थ तथा प्रबंधित तिरती (managed floating) खुली अर्थ व्यवस्था में आय का निर्धारण।

टीप :– अर्थशास्त्र विषय संबंधी संदर्भ पुस्तकों का आवश्यकतानुसार उपयोग किया जा सकता है।

.....000.....

कक्षा–12वीं

विषय – अर्थशास्त्र (303)

प्रायोजना कार्य

मूल्यांकन योजना

समय : 02 घण्टे
(Time :Two Hours)

अधिकतम अंक : 20 अंक
(Max. Marks 20)

सरल क्रमांक **S.No.**	विषयवस्तु **(Heading)**	अंकभार **Marks allotted**
1	विषय–वस्तु प्रसंग Relevance of the topic.	3 Marks
2	विषय–वस्तु ज्ञान/अनुसंधान कार्य Knowledge Content/Research work.	6 Marks
3	प्रस्तुतिकरण तकनीक Presentation Techniques.	3 Marks
4	प्रायोजना रिकार्ड/मौखिक Project File/Viva.	8 Marks
	Total (कुल अंक)	**20 Marks**

कक्षा–12वीं
विषय– अर्थशास्त्र (303)

प्रायोजना कार्य

सामान्य निर्देश :–

- विद्यार्थियों द्वारा दिए गए 2 प्रायोजना में से किसी ''एक'' का चयन किया जाना है।
- शिक्षक को विद्यार्थियों से विस्तृत परिचर्चा तथा विचार विमर्श द्वारा प्रायोजना चयन में सहायता करनी चाहिए। शिक्षक को सुविधाप्रदाता की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट कार्य का निरीक्षण तथा निगरानी करनी चाहिए। एक निश्चित समयावधि में शिक्षक द्वारा प्रोजेक्ट कार्य प्रगति की समीक्षा एवं चर्चा अवश्य की जानी चाहिए।
- शिक्षक को प्रोजेक्ट संबंधी अनुसंधान कार्य के लिए आकड़ों, सामग्री, सूचना संकलन हेतु मार्गदर्शक की अहम भूमिका निभानी चाहिए तथा उनकी विश्वसनीयता हेतु सूचना संकलन स्त्रोत दर्शाये जाने हेतु विद्यार्थी को मार्गदर्शन देना चाहिए।
- शिक्षक द्वारा यह सुनिश्चित अवश्य किया जाना चाहिए कि विद्यार्थी को प्रोजेक्ट संबंधी अवधारणा की वास्तविक समझ है कि ताकि वे प्रोजेक्ट के अंतिम प्रस्तुतीकरण के समय प्रोजेक्ट संबंधी मौखिक प्रश्नों को भलिभांति सामना कर सकें।
- शिक्षक द्वारा कक्षा में प्रत्येक छात्र के प्रोजेक्ट का प्रस्तुतीकरण अवश्य कराया जाना चाहिए ताकि विद्यार्थी एक दूसरे के प्रोजेक्ट कार्य से सीख सके।
- शिक्षक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विद्यार्थी द्वारा प्रोजेक्ट कार्य विषय संबंधी अवधारणा के विभिन्न पहलुओं से सीखा गया है।

1. प्रोजेक्ट (विकल्प एक) :– हमारे चारों ओर घटिन घटनाक्रम संबंधी, इस प्रोजेक्ट कार्य के निम्न उद्देश्य है :–

- देश विदेश में चारों ओर होने वाली विभिन्न आर्थिक घटनाओं की प्रतिक्रिया व अवसर की समझ विकसित करने योग्य बनाना। (उदा. – सामग्री तथा सर्विस टैक्स की गतिशीलता तथा भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव अथवा यूरोपियन यूनियन से BREXIT के प्रभाव)
- आर्थिक घटनाओं के अवलोकन तथा समझ हेतु विश्लेषण क्षमता अर्जित करने तथा आर्थिक कारणों की समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में देश तथा विदेश में होने वाली विभिन्न आर्थिक विकास के प्रति जागरूकता लाना।

- किसी आर्थिक मुद्दे पर एक से अधिक दृष्टिकोण की समझ तथा उनका कारणों सहित न्यायोचित तर्क क्षमता का विकास करना।
- वास्तविक दुनिया की परिस्थितियों में आर्थिक नीतियों के प्रभाव तथा उनके विशेष क्रियान्वन में अंतर और आम लोगों पर आर्थिक नीतियों के प्रभाव का विश्लेषण।
- विद्यार्थियों के दैनिक जीवन से संबंधित भिन्न आर्थिक मुद्दों के तथा विस्तृत यर्थाथवादी मुद्दे के अन्वेषण का अवसर प्रदान करना।

प्रोजेक्ट के अवसर – विद्यार्थी निम्नानुसार कार्य तैयार कर सकते है

- भूमिका
- विषय वस्तु की व्याख्या
- आर्थिक घटनाओं/परिवर्तन/प्रलोभन/छलावें
- विषय संबंधित प्रमुख आलोचना (यदि कोई है तो)
- प्रोजेक्ट कार्य से विद्यार्थी की स्वयं की समझ/दृष्टिकोण/राय/अनुभव
- ऐसा कोई ठोस विचार जिसमें विद्यार्थी की विशेष धारणा शामिल हो जो उसके द्वारा स्वयं प्रोजेक्ट कार्य व प्रस्तुतीकरण के दौरान सही हो।

प्रोजेक्ट का प्रस्तुतीकरण तथा प्रोजेक्ट का जमा करना

प्रोजेक्ट कार्य की निर्धारित समयावधि के अंत में प्रत्येक विद्यार्थी अपने प्रोजेक्ट फाइल बनाकर परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

(सुझावित मापदंडों के अनुसार विद्यार्थी के प्रयासों को महत्व देना चाहिए)

प्रोजेक्ट कार्य हेतु सूची (केवल सुझाव स्वरूप)

- छोटे तथा लघु उद्योग
- भारत में खाद्य वितरण प्रणाली
- भारत में समकालीन/आधुनिक रोजगार की परिस्थितियां
- विनिवेश नितियां
- स्वास्थ्य व्यय (किसी भी राज्य संबंधी)
- सामग्री तथा सर्विस टेक्स अधिनियम
- संपूर्ण वृद्धि कार्यशैली

- मानव विकास अनुसूची
- स्वसहायता समूह
- अन्य कोई विषय

2. प्रोजेक्ट (विकल्प दो)– पाठ्यक्रम से कोई अवधारणा का विश्लेषण। इस प्रोजेक्ट के निम्न उद्देश्य है –

- आर्थिक सिद्धांतों के अवधारणाओं के वास्तविक जीवन संबंधी अनुप्रयोग करना तथा आर्थिक सिद्धांतों के अवधारणाओं के प्रति अभिरूचि विकसित करना।
- पाठ्यक्रमानुसार दी गई अवधारणा से आर्थिक कारण विकसित करने सीखने का अवसर प्रदान करना।
- स्वयं की धारणा विकसित करने तथा शुद्ध विचारों की समझ चिंतन क्षमता, अभ्यास, हेतु योग्य बनाना।
- किसी आर्थिक मुद्दे पर एक से अधिक दृष्टिकोण की समझ विकसित करना तथा उनका कारणों सहित न्यायोचित तर्क क्षमता का विकास करना।
- वास्तविक विश्व परिस्थितियों में आर्थिक नीतियों की कार्यक्षमता में अंतर करना।
- एक सुनिश्चित (सुचारू रूप) तरीके में अर्थशास्त्र के अनुशासन की कठिनाईयों से छात्र को अवगत कराना।
- आम लोगों पर अर्थशास्त्र के सिद्धांत/नियम के प्रभाव तथा अवधारणा के प्रभाव का अवगत् कराना।

प्रोजेक्ट के क्षेत्र

अवधारणा की व्याख्या

- अर्थ तथा परिभाषा
- अवधारणा के अनुप्रयोग
- आलेखीय व्याख्या (यदि कोई है)
- अवधारणा से संबंधित गणितीय व्याख्या (यदि कोई है)
- विद्यार्थियों द्वारा विषय संबंधी/स्वयं के विचार/राय/दृष्टिकोण/समझ

प्रोजेक्ट की प्रस्तुती तथा प्रस्तुतीकरण का स्वरूप

प्रोजेक्ट कार्य के अंत में विद्यार्थी प्रोजेक्ट कार्य समाप्त करने के उपरांत प्रोजेक्ट फाइल बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

1. सुझाव हेतु सूची

- मूल्य निर्धारण
- मूल्य अवनमन
- अवसर मूल्य
- उत्पादन सभंव वक्र
- मांग तथा उनके निर्धारक
- पूर्ति तथा इसके निर्धारक
- उत्पादन– कारक की वापसी
- मूल्य फलन एवं मूल्य वक्र
- एकाधिकार
- अल्पाधिकार
- एकाधिकारिक प्रतिस्पर्धा
- ऋण सृजन
- पूंजी गुणक
- सेंट्रल बैंक व इसके कार्य
- सरकारी बजट तथा इसके घटक
- बजट घाटा
- विनिमय दर प्रणाली
- विदेशी विनिमय बाजार
- अदायगी संतुलन

टीप :– शिक्षक के अनुमोदन से अन्य कोई विषय

.....000.....